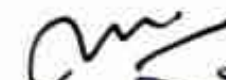


२२.१२.२३

अप्रार्थी सं.। मैं वकील द्वारा प्रार्थना पत्र पेश करने पर पत्रावली पेशी में ली गई। वकील प्रार्थी उपस्थित। प्रार्थी मूल वाद इस न्यायालय के स्वभाविकार में नहीं होने एवं सिद्धि द्वारा वर्जित होने के कारण इसी स्तर पर खारिज किया जा चुका है। कता यह ज्ञा. पत्र अचेतन होने के कारण इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पूर्व के दिनांक २१.१२.२३ को जारी अस्थाई निर्बंधाज्ञा निरस्त की जाती है। पत्रावली का उतरतीब तमगील होकर शामिल अफतर हो।

निर्णय लिखा जाकर पुनः न्यायालय में बुनाया गया।

  
(अमिता खेरनोई)  
RAC